

वियोज्य DETACHABLE

राजनीति-विज्ञान और अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

(प्रश्न-पत्र I)

POLITICAL SCIENCE AND INTERNATIONAL RELATIONS

(Paper I)

निर्धारित समय : तीन घण्टे
Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question Nos. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :
Answer the following questions in about 150 words each : 10×5=50
- 1.(a) राजनीति सिद्धान्त के अध्ययन के दार्शनिक उपागम को समझाइये ।
Explain the Philosophical approach to the study of Political theory. 10
- 1.(b) बहु-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में समानता तथा उदारवाद के मध्य सम्बन्ध पर टिप्पणी लिखिए ।
Write a note on the relation between equality and liberty from the multi-cultural perspective. 10
- 1.(c) शक्ति पर मैक्फर्सन के दृष्टिकोण को समझाइये ।
Explain the Macpherson's view on power. 10
- 1.(d) इतालवी और जर्मन ब्रांड के फासीवाद के बीच अन्तर का उल्लेख कीजिए ।
Mention the difference between Italian and German brands of facism. 10
- 1.(e) लोकतंत्र के अभिजन सिद्धान्त को संक्षेप में समझाइये ।
Explain briefly the elite theory of democracy. 10
- 2.(a) राज्य का मार्क्सवादी एवं उदारवादी परिप्रेक्ष्य क्या है ? दोनों के बीच के सैद्धांतिक अन्तर किन आधारों पर स्थापित हैं ? व्याख्या कीजिए ।
What is the Marxist and liberal approach towards the state ? On what grounds the theoretical differences between them are premised ? Explain. 20
- 2.(b) कार्ल पौपर खुले समाज की अपनी दुश्मनों के खिलाफ एक बचाव प्रस्तुत करते हैं । विस्तार से बताइये ।
Karl Popper presents a defence of the open society against its enemies. Elaborate. 15
- 2.(c) रॉल्स ने अपनी वितरणात्मक न्याय की अवधारणा के विकास में उदारवादी और समतावादी दृष्टिकोण का किस प्रकार उपयोग किया है ? वर्णन कीजिए ।
Explain how Rawls used the liberal and egalitarian perspective to develop his concept of distributive justice. 15
- 3.(a) राजनीतिक सिद्धान्त के अध्ययन के व्यवहारवादी एवं संस्थावादी उपागम का तुलनात्मक विश्लेषण कीजिए ।
Provide a comparative analysis of behavioural and institutional approach to the study of political theory. 20
- 3.(b) "राज्य ने वैयक्तिकता का अन्त करके मानव सभ्यता की गम्भीर हानि की है, जो कि हर विकास का आधार है ।" — महात्मा गाँधी । स्पष्ट कीजिए ।
"State does the greatest harm to mankind by destroying individuality, which lies at the root of all progress." — Mahatma Gandhi. Elucidate. 15

- 3.(c) 'व्यक्तिगत ही राजनीतिक है'। यह नारा किस प्रकार से महिलाओं के शोषण और भेदभाव को संसूचित करता है ? वर्णन कीजिए।
 Explain how the slogan 'the personal is political' addresses the issue of women's oppression and discrimination ? 15
- 4.(a) लॉक की संविधानवाद, स्वतंत्रता एवं सम्पत्ति की अवधारणा से पश्चिमी लोकतंत्र को आकार दिया गया है। वर्णन कीजिए।
 The foundational base of western democracy has been shaped by Locke's ideas of constitutionalism, freedom and property. Elucidate. 20
- 4.(b) हाना आरेन्ट ने बीटा एक्टिवा की कुछ श्रेणियों का विश्लेषण किया था। स्पष्ट कीजिए।
 Hannah Arendt analysed a few categories of vita activa. Explain. 15
- 4.(c) क्या आप मानते हैं कि सहमति से प्राप्त वैधता अथवा मतारोपण से निर्मित वैधता राजनीतिक शासन को बनाए रखने के लिए एक आवश्यक तत्व है ? अपने उत्तर को उपयुक्त उदाहरणों के द्वारा स्पष्ट करें।
 Do you think that legitimacy acquired by consent or manufactured by indoctrination is an essential element in maintenance of political rule ? Justify your answer with relevant examples. 15

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :
 Answer the following questions in about 150 words each : 10×5=50
- 5.(a) 1857 के पश्चात् और स्वतंत्रता से पहले के किसान आंदोलनों को संक्षिप्त में समझाइये।
 Explain briefly the role of Peasant Movements after 1857 and before independence. 10
- 5.(b) भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के दलित परिप्रेक्ष्य पर टिप्पणी लिखिए।
 Write a note on the Dalit perspective of Indian National Movement. 10
- 5.(c) भूमि सुधार कार्यक्रमों के कारण कुछ संवैधानिक संशोधन हुए। टिप्पणी कीजिए।
 Land reforms programmes led to some constitutional amendments. Comment. 10
- 5.(d) 2019 के पश्चात् जम्मू और काश्मीर में बदलते राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों को रेखांकित कीजिए।
 Delineate the key factors that have shaped the evolving political landscape in Jammu and Kashmir post 2019. 10
- 5.(e) राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में कहां तक सफल हुआ है ? टिप्पणी कीजिए।
 How far has been the National Human Rights Commission successful in achieving its objectives ? Comment. 10
- 6.(a) संसदीय समितियां विधायी प्रक्रिया के लिए अनिवार्य हैं। यह संसद के दोनों सदनों के बीच पारस्परिक परागण (क्रॉस-पॉल्लिनेशन) के अवसर प्रदान करती हैं। विवेचन कीजिए।
 Parliamentary committees are indispensable to the legislative process. It provides for the opportunity for cross-pollination between the two chambers of the Parliament. Discuss. 20

- 6.(b) भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के सलाहकारी क्षेत्राधिकार की प्रकृति तथा संवैधानिक प्रावधानों का परीक्षण कीजिए। अपने उत्तर का समुचित उदाहरणों द्वारा मूल्यांकन कीजिए।
Examine the constitutional provisions and nature of advisory jurisdiction of Supreme Court of India. Evaluate your answer with relevant examples. 15
- 6.(c) भारतीय राजनीति में हाल में हुए परिवर्तनों ने संघवाद की भावना को भारत से विनष्ट नहीं होने दिया है। इस कथन का समुचित उदाहरणों द्वारा आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
The recent developments in Indian Politics has not eroded the true spirit of federalism in India. Critically examine this statement with the help of appropriate examples. 15
- 7.(a) राजनीतिक विकेन्द्रीकरण की प्रक्रिया में स्थानीय शासन में महिलाओं की भागीदारी की बाधाओं को स्पष्ट कीजिए।
Enunciate the impediments to women's participation in local governance in the process of political decentralisation. 20
- 7.(b) भारत में राजनीतिक सक्रियता के लिये जाति एक महत्वपूर्ण धुरी बनी हुई है। जाति जनगणना लोगों की आकांक्षाओं को कैसे पूरा करेगी? विवेचना कीजिए।
Caste remains a vital axis for political mobilisation in India. How would the caste census address the aspirations of people? Discuss. 15
- 7.(c) भारत के निर्वाचन आयोग में मुख्य चुनाव आयुक्त एवं चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर एक बहस चल रही है। इसके विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण कीजिए।
There is a debate on the procedure for appointment of the Chief Election Commissioner and Election Commissioners to the Election Commission of India. Analyse its various aspects. 15
- 8.(a) जनसंख्या जनगणना-2027 कराने के निर्णय ने भारत में परिसीमन पर बहस को फिर से शुरू कर दिया है। इसके विभिन्न पहलुओं पर चर्चा कीजिए।
The decision to conduct Population Census-2027 has reopened the debate on delimitation in India. Discuss its various aspects. 20
- 8.(b) परीक्षण कीजिए कि किस प्रकार योजना एवं आर्थिक विकास के नेहरूवादी दृष्टिकोण ने, भारत में आर्थिक नियोजन के आरम्भिक चरण में, आधुनिक भारत के आर्थिक विकास की नींव डाली थी।
With reference to Nehruvian perspective of planning and economic development, examine how the early phase of economic planning in India has laid the foundation of modern India's economic growth. 15
- 8.(c) सोदाहरण समझाइए कि किस प्रकार भारत में राजनीतिक दलों ने ऐतिहासिक रूप से वंचित वर्ग को राजनीति की मुख्यधारा में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
Illustrate with examples how political parties in India have played a crucial role in drawing the historically disadvantaged groups into the mainstream political system. 15